

आखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

चैत्र मास शुक्ल पक्ष, 22 वर्ष, अंक 73, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00

नगर संस्करण प्रयागराज

सोमवार 10 अप्रैल 2023

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुत्थाति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेट

प्रयागराज से प्रकाशित

मारत सरकार का प्रयास लाया दंग, पांच साल में बढ़े 200 टाइगर



3167 हुई बाघों की संख्या



नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कानून के मैसूर में टाइगर प्रोजेक्ट के 50 वर्ष पूरे होने पर इंटरनेशनल बिंग कैटस एलायंस को शुभारंभ किया। इस अवसर पर पीएम मोदी ने प्रोजेक्ट टाइगर के 50 साल पूरे होने पर एक स्मारक सिक्का भी जारी किया। पीएम मोदी ने बाघों की नई गणना रिपोर्ट जारी की है। भारत में बाघों की संख्या बढ़कर 3 हजार 167 हो गई है। 2006 में यह संख्या 1411 थी। इसके पहले 2018 व 2019 में यह बाघों की गणना में 2967 संख्या पांच गई थी।

भारत ने टाइगर को बचाया: इस अवसर पर पीएम मोदी ने कहा कि हम सभी एक बेहतर महत्वपूर्ण पड़ाव के साथी बन रहे हैं, प्रोजेक्ट टाइगर को 50 वर्ष हो गए हैं। भारत ने न सिर्फ टाइगर को बचाया है, बल्कि उसे फलनेपूर्णने का एक बेहतरीन ईको

सिस्टम दिया है। उन्होंने कहा जब अनेक टाइगर रिजर्व देशों में उनकी आवादी स्थिर है या आवादी घट रही है तो फिर भारत में तो जो से बढ़ क्यों रही है? इसका उत्तर है भारत की परपरा, भारत की संस्कृति और भारत के समाज में बाघों डायरिस्टी को लेकर, पर्यावरण को लेकर हमारा स्वाभाविक आग्रह।

प्रकृति की रक्षा करना भारतीय संस्कृति का अंग: प्रोजेक्ट टाइगर के 50 साल पूरे होने के उद्घाटन सत्र में पीएम नरेन्द्र मोदी ने कहा कि प्रोजेक्ट टाइगर बड़ी बिल्लियों की सुरक्षा और संरक्षण का मार्ग प्रशस्त करता है। प्रकृति की रक्षा करना भारतीय संस्कृति का अंग है। प्रोजेक्ट टाइगर की सफलता न केवल भारत के लिए बल्कि पूरे विश्व के लिए गर्व की बात है।

भारत ने आजादी के 75 साल पूरे कर

लिए हैं और दुनिया की बाघों की आवादी का 75 फीसद भारत में है। पीएम मोदी ने किया नामीबिया के चीतों का जिक्र: पीएम मोदी ने आगे कहा कि दशकों पहले भारत से चीतों विलुप्त हो गए थे, हम शानदार वित्तों को नामीबिया और दक्षिण अफ्रिका से भारत लेकर आए। कुछ दिन पहले ही कूनों नेशनल पार्क में 4 मुंदर शावकों ने जन्म लिया है उन्होंने कहा यह बिंग कैट का पहला फल द्रांस-कॉन्फ्रेंटल ट्रांसलेशन है। लगभग 30,000 हाथियों के साथ, हम दुनिया में सबसे बड़े एशियाई हाथियों की श्रेणी वाले देश हैं। एलिफेंट व्हिस्पर्स डॉक्यूमेंट्री का पीएम मोदी ने किया जिक्र।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा जिस एलिफेंट व्हिस्पर्स डॉक्यूमेंट्री को अंस्कर मिला है, वह भी नेचर और अंस्कर के बीच के अन्द्रुत संबंधों की

हमारी विरासत को दर्शाती है। मेरा आग्रह है कि आप हमारे आदिवासी समाज के जीवन और परपरा से अपने देश और समाज के लिए कुछ न कुछ लेकर जाएं। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कनान्टक के बांदीपुर टाइगर रिजर्व पहुंचे। इस दौरान उन्होंने थेपाक दूहाथी शिविर में हाथी को गन्ना भी खिलाया। पीएम मोदी ने अंस्कर विजेता डॉक्यूमेंट्री 'द एलिफेंट व्हिस्पर्स' वाले कपल बोमन-बेली से मुलाकात की। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कानून के बांदीपुर टाइगर रिजर्व का दौरा किया। इंटरनेशनल बिंग कैटस एलायंस दुनिया की सात प्रमुख बड़ी बिल्लियों वाली बाघ, शेर, तेंदुआ, घूमा, ज़ग्गार और चीतों के संरक्षण एवं प्रसन्नता न केवल भारत के लिए बल्कि पूरे विश्व के लिए गर्व की बात है।

देश में 2014 के बाद से सातों जीवों

के दर्शाती हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने की मुलाकात, हाथी से भी मिले पीएम सरग रिपोर्ट भी जारी की। पीएम मोदी ने प्रोजेक्ट टाइगर के 50 साल पूरे होने पर एक स्मारक विवरका भी जारी किया। मिला बैरट शॉट डॉक्यूमेंट्री का अंस्कर: डायरेक्टर कानिंघम की गोसालिस की एलिफेंट व्हिस्पर्स की प्रयोगसार गुरुत्व में पांच वर्षों में उन्हें जागा एक छोटे डॉक्यूमेंट्री फिल्म है, जिसमें बाघों वाला है। ये एक छोटे डॉक्यूमेंट्री के लिए खाकी रंग की शर्ट, पैंग और टोपी पहने देखा जा सकता है। पीएम मोदी ने 'प्रोजेक्ट टाइगर के 50 साल पूरे होने के समारोह' का भी उद्घाटन किया। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने टाइगर की बढ़ाई की अबादी की विजन फॉर बाघ अनुमान (5वां वर्क) की एशिया में इन जीवों के अवैध शिकार दरअसल, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने और व्यापार को रोका जा सके। बता दें कि रिजर्व के प्रबंधन प्रभावी मूल्यांकन टाइगर कंजर्वेशन' का विमोचन के 5वें वर्क की सांसां रिपोर्ट किया। उन्होंने अखिल भारतीय अमृत काल का विजन फॉर बाघ अनुमान (5वां वर्क) की एशिया में इन जीवों के अवैध शिकार दरअसल, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने और व्यापार को रोका जा सके। बता दें कि रिजर्व के प्रबंधन प्रभावी मूल्यांकन टाइगर कंजर्वेशन' का विमोचन के 5वें वर्क की सांसां रिपोर्ट किया। उन्होंने अखिल भारतीय देखभाल करते हैं। फिल्म में इनके बांधों की दिखाया गया है।

प्रधानमंत्री ने इन जीवों के अवैध शिकार दरअसल, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने और व्यापार को रोका जा सके। बता दें कि रिजर्व के देश में 2014 में 2,967 पर गहरा गई, जबकि 2014 में यह 2,226 थी। बाघों की अंतम गणना 2018 में हुई थी।

विदेश संदेश

अमेरिकी मॉल में ताबड़तोड़ फायरिंग, तीन लहूलुहान

डोवेर (डेलावेर)। संयुक्त राज्य अमेरिका के डेलावेर राज्य में पैसिलेनिया के पास किस्टिस्यान मॉल में एक बंदूकधारी व्यक्ति ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर नींदो यारह हो गया। इस दौरान गोली लगने से तीन लोग लहूलुहान होकर गिर गए। तीनों को पुलिस ने अस्पताल में भर्ती कराया है। सभी के पैर में गोली लगी है।

फायरिंग के कुछ देर पहुंची पुलिस ने मॉल के भीतर मौजूद सभी दुकानें खाली करा लीं पर बंदूकधारी नहीं मिला। डेलावेर राज्य पुलिस ने कहा कि फायरिंग का बजह अपी पता नहीं चल सकता है। न ही कई संदिध दिरासत में यारह गया है। घटना की जांच की जा रही है। इस बजह से मॉल बंद रहेगा।

सऊदी प्रतिनिधिमंडल पहुंच ईरान, दूतावासों को फिर से खोलने पर दोगी चर्चा

रियाद। इरान और सऊदी अरब के बीच फिर से एक नई शुरूआत हो सकती है। सऊदी विदेश मंत्रालय के अनुसार सऊदी अरब का एक राजनयिक प्रतिनिधिमंडल तेहरान पहुंचा है यहां सऊदी अधिकारी तेहरान में रियाद के दूतावास पर स खोलने पर चर्चा करेगे। साथ साल के बाद कोई सऊदी प्रतिनिधिमंडल ईरान की यात्रा पर पहुंचा है। दोनों देशों के अधिकारी अधिकारिक संबंधों की बहाली, दूतावासों और वाणिज्य दूतावासों को फिर से खोलने और आपसी हितों को मजबूत करने पर चर्चा कर सकते हैं। सऊदी विदेश मंत्रालय ने अधिकारिक सऊदी प्रेस एजेंसी के हवाले से कहा कि यह यात्रा 2016 में टूटे हुए संबंधों को बहाल करने के लिए चीन की मध्यस्थिता से दो क्षेत्रीय क्षितियों को बीच 10 मार्च को हुए प्रवक्ष्यीय समझौते को लागू करने' का हस्ता है। 10 मार्च को ईरान और सऊदी अरब के बीच पहली उच्च स्तरीय बैठक में, ईरान के होसेन अमीर-अद्वेल्लाहियान और सऊदी अरब के राजकुमार फैसल बिन फरहान अल सऊद ने अपने संवैधित देशों में दूतावासों और वाणिज्य दूतावासों को फिर से खोलने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इसने कहा कि एक सऊदी प्रतिनिधिमंडल ने तेहरान में विदेश मंत्रालय में ईरान के प्रोटोकॉल प्रमुख से मुलाकात की। गुरुवार को, सऊदी अरब और ईरान ने दो महीने की अवधि के भीतर दोनों देशों में राजनयिक मिशनों को फिर से खोलने पर सहमति व्यक्त की थी, जैसा कि मार्च में सहमति हुई थी। एक संयुक्त बयान के अनुसार, बीजिंग में विदेश मंत्री प्रिंस फैसल बिन फरहान और उनके ईरानी समकक्ष होसेन अमीर अद्वेल्लाहियान के बीच ऐतिहासिक बैठक हुई थी।

बलूचिस्तान में अपहरण, हत्या से नागरिकों में डर का माहौल, पाक मानवाधिकार आयोग की रिपोर्ट में खलासा

बलूचिस्तान। बलूचिस्तान में पाकिस्तान सेना द्वारा किए जा रहे अत्याधिक किसी से छिंग नहीं है। बलूचिस्तान से आए दिन लोगों के अपहरण और हत्या की खबरें आती रहती हैं।

वहीं अब पाकिस्तान के मानवाधिकार आयोग (एचआरसीपी) की रिपोर्ट ने साफ कर दिया है वहां के नागरिक डर के माहौल में जो रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि बलूचिस्तान प्रांत में लोगों के जबरन गयब होने, अर्थात् बहिष्कार, प्रेस की आजादी पर वार्दियों से जनते होना चाही है।

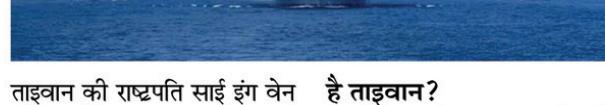
एचआरसीपी टीम ने मानवाधिकार रखकरों, वकीलों, पत्रकारों, और मछुआरा समुद्रय के सरस्तों के साथ-साथ खाद्य, तुबत, पंजार और क्लेटों में राजनीतिक नेताओं और प्रशासन के सदस्यों सहित नागरिक समाज के सदस्यों से बात की। एचआरसीपी की रिपोर्ट में कहा गया है कि यहां के नागरिक असंतोषों को दबाने के लिए राज्य द्वारा लोगों को गायब करने पर चिंतित है।

बलूचिस्तान प्रांत, ईरान, ने अपकासिस्तान की सीमा से लगा हुआ है, जहां सम्पर्य से हिंसक विद्रोह का समाप्त करता रहा है। बलूचिस्तान में काफी असंतोषता है यहां कारोबार के बलूचिस्तान आर्थिक गतिशीलता (सीपीईसी) परियोजनाओं को निशाना बनाकर कई हमले कर चुके हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान के अधिक सकंत के बीच, बलूचिस्तान प्रांत राजस्व और विकास परियोजनाओं के अपने अंतिम हिस्से से चिंतित है। एचआरसीपी ने देखा कि बलूचिस्तान और पांडों देशों के बीच एक स्वस्थ कानूनी व्यवस्था बिल्कुल खबर है जिससे यहां गरीबी के स्तर को बढ़ा दिया है।

ताइवान के आसपास दिखे चीन के 71 सैन्य विमान और नौ जहाज, अमेरिका बोला- युद्धाभ्यास पर है हमारी नजर

ओटावा। ताइवान की राष्ट्रपति के अमेरिकी दौरे से चीन और ताइवान में तनाव काफी बढ़ गया है। ताइवान के मीडिया का दावा है कि चीन के 71 सैन्य विमान और 9 जहाज ताइवान की सीमा के असंपास दिखाई दिए हैं। ताइवान के मिनिस्टरी ऑफ नेशनल डिफेंस का कहना है कि 45 विमानों ने ताइवान की

अमेरिकी मॉल में ताबड़तोड़ फायरिंग, तीन लहूलुहान



ने तीन दिन तक ताइवान के चारों तरफ युद्धाभ्यास करने का एलान किया है। चीन का यह एलान

अपना संविधान और चीनी हुई सरकार है।

दुनिया के लिए क्यों अहम

है ताइवान?

हिंद प्रसारण महासागर क्षेत्र में अमेरिका के निचले सदन के सभापति से मुलाकात के बाद आया है।

क्या है ताइवान को लेकर विवाद

ताइवान एक द्विपाय देश है और चीन के दक्षिणी पूर्वी तट से करीब 100 मील दूर रित है। चीन, ताइवान को अपना ही एक प्रांत मानत है। यही वजह है कि चीन ताइवान के किसी अन्य देशों से रितों को लेकर सहना नहीं रहता। चीन के राष्ट्रपति शी निर्णय कर हुक्म के ताइवान का वायरिंग देश है, उनमें से जातीदार ताइवान का चीन के साथ एकोप्राय होकर रहेगा। चीन ताइवान का वायरिंग देश है कि ताइवान का चीन के साथ एकोप्राय होकर रहेगा। चीन ताइवान खुद को एक स्वतंत्र राष्ट्र मानता है, जिसका

प्रायरिंग देश है।

ताइवान की राष्ट्रपति साईं इंग वेन की अमेरिका यात्रा और वहां अमेरिका के निचले सदन के सभापति से मुलाकात के बाद आया है।

क्या है ताइवान को लेकर विवाद

ताइवान एक द्विपाय देश है और चीन के दक्षिणी पूर्वी तट से करीब 100 मील दूर रित है। चीन, ताइवान को अपना ही एक प्रांत मानत है। यही वजह है कि अमेरिका लगातार ताइवान के साथ अपने संबंधों को मजबूत करने में जुटा है और चीन लगातार ताइवान पर बदल बनार उसे डराने की तैयारी कर रहे हैं।

ताइवान की राष्ट्रपति साईं इंग वेन की अमेरिका यात्रा और वहां अमेरिका के निचले सदन के सभापति से मुलाकात के बाद आया है।

क्या है ताइवान को लेकर विवाद

ताइवान एक द्विपाय देश है और चीन के दक्षिणी पूर्वी तट से करीब 100 मील दूर रित है। चीन, ताइवान को अपना ही एक प्रांत मानत है। यही वजह है कि अमेरिका लगातार ताइवान के साथ अपने संबंधों को मजबूत करने में जुटा है और चीन लगातार ताइवान पर बदल बनार उसे डराने की तैयारी कर रहे हैं।

ताइवान की राष्ट्रपति साईं इंग वेन की अमेरिका यात्रा और वहां अमेरिका के निचले सदन के सभापति से मुलाकात के बाद आया है।

क्या है ताइवान को लेकर विवाद

ताइवान एक द्विपाय देश है और चीन के दक्षिणी पूर्वी तट से करीब 100 मील दूर रित है। चीन, ताइवान को अपना ही एक प्रांत मानत है। यही वजह है कि अमेरिका लगातार ताइवान के साथ अपने संबंधों को मजबूत करने में जुटा है और चीन लगातार ताइवान पर बदल बनार उसे डराने की तैयारी कर रहे हैं।

ताइवान की राष्ट्रपति साईं इंग वेन की अमेरिका यात्रा और वहां अमेरिका के निचले सदन के सभापति से मुलाकात के बाद आया है।

क्या है ताइवान को लेकर विवाद

ताइवान एक द्विपाय देश है और चीन के दक्षिणी पूर्वी तट से करीब 100 मील दूर रित है। चीन, ताइवान को अपना ही एक प्रांत मानत है। यही वजह है कि अमेरिका लगातार ताइवान के साथ अपने संबंधों को मजबूत करने में जुटा है और चीन लगातार ताइवान पर बदल बनार उसे डराने की तैयारी कर रहे हैं।

ताइवान की राष्ट्रपति साईं इंग वेन की अमेरिका यात्रा और वहां अमेरिका के निचले सदन के सभापति से मुलाकात के बाद आया है।

क्या है ताइवान को लेकर विवाद

ताइवान एक द्विपाय देश है और चीन के दक्षिणी पूर्वी तट से करीब 100 मील दूर रित है। चीन, ताइवान को अपना ही एक प्रांत मानत है। यही वजह है कि अमेरिका लगातार ताइवान के साथ अपने संबंधों को मजबूत करने में जुटा है और चीन लगातार ताइवान पर बदल बनार उसे डराने की तैयारी कर रहे हैं।

ताइवान की राष्ट्रपति साईं इंग वेन की अमेरिका यात्रा और वहां अमेरिका के निचले सदन के सभापति से मुलाकात के बाद आया है।

क्या है ताइवान को लेकर विवाद